Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 8007

PAPER – III

GEOGRAPHY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

GEOGRAPHY

भूगोल

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and answer the following quesions.

निम्नलिखित पैराग्राफ को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

The life and well-being of individual and society depend on the existence and permanence of natural resources that provide sustenance and environment, as well as on the coordinated gradual use of these resources. By making use of different possibilities and capabilities and by introducing different combinations of natural materials and processes, we produce "artificially" food, goods and components of our environment; we modify natural conditions. However these technics are not enough to establish Habitability. Mostly man has to modify himself and his society as well in order to meet the demands of his environment and develop a modus vivendi adapted to natural conditions of space and time, so that they may provide him permanently with life and well-being. It is correct, therefore, to say that Regional Planning deals with the revelation of natural factors on the one hand and the revelation of ways and needs of man on the other, but this without any dogmatic prejudices as to what is the determining and the determined factor and without any preliminary intention to force one on the other. The proper target of Regional Planning has to be defined specially for each geographical case; generally expressed, it is just the creation of a balance in respect of environment, in order to facilitate the basic processes of human life. For that purpose, a plan may indicate in one case the modification of nature to fit human needs, and in another case, the modification of social relations and human conditions to fit environmental needs. With that unattached approach, leading in different cases to different ways of planning and development, the essential difference of Regional Planning for Habitability from all other sorts of contemporary physical, economic and political planning is marked.

व्यक्ति एवं समाज का कल्याण, आधार एवं वातावरण प्रदान करने वाले प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति और स्थायित्व तथा इनके समन्वित क्रमिक उपयोग पर निर्भर करता है। विविध संभावनाओं एवं क्षमताओं का

प्रयोग तथा प्राकृतिक पदार्थों एवं प्रक्रियाओं के विभिन्न संयोजन के माध्यम से हम कृत्रिम खाद्य, वस्तुओं और पर्यावरण के घटकों का उत्पादन करते हैं; तथापि यह तकनीक आवासीयता को स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। अधिकतर, मानव को स्वयं एवं समाज को परिष्कृत करना पड़ता है तथा साथ ही अपने वातावरण की माँगों की पूर्ति तथा समय एवं काल की स्वाभाविक दशाओं के अनुकूल जीवन चर्या विकसित करनी पड़ती है, ताकि वे उसे स्थायी जीवन एवं कल्याण प्रदान कर सकें। अत: यह कथन सत्य है कि, प्रादेशिक नियोजन एक ओर प्राकृतिक कारकों के प्रकटन तथा दूसरी ओर मानव की जीवन पद्धति एवं आवश्यकताओं की व्याख्या करता है। परंतु वह इसमें निश्चयी कारकों तथा निश्चित कारकों को तय करने में किसी प्रकार की हठधर्मिता एवं पूर्वाग्रह से ग्रसित नहीं होता तथा एक को दूसरे पर आरोपित करने का उद्देश्य नहीं रखता। प्रादेशिक नियोजन के उचित लक्ष्य को विशेष रूप से प्रत्येक भौगोलिक दशा में परिभाषित करना पड़ता है; सामान्य अभिव्यक्ति में, मानव जीवन की मूल प्रक्रियाओं को सुविधा प्रदान करने हेतु यह एक पर्यावरण के संबंध में संतुलन का निर्माण करता है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक नियोजन, एक दशा में मानव आवश्यकताओं के अनुसार प्रकृति में परिष्करण तथा दूसरी दशा में पर्यावरणीय आवश्यकताओं के अनुसार सामाजिक संबंधों एवं मानवीय दशाओं परिष्करण इंगित कर सकता है। इस असम्बद्ध उपागम – जिसमें विभिन्न दशाओं में विभिन्न प्रकार के नियोजन एवं विकास का प्रावधान है – के साथ आवासीयता हेतु प्रादेशिक नियोजन का अन्य समकालीन भौतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक नियोजन से अन्तर स्पष्ट हो जाता है।

1. How do we modify natural conditions ?
हम किस प्रकार प्राकृतिक दशाओं को परिष्कृत करते हैं?

2. What factors are necessary to establish Habitability ?

आवासीयता को स्थापित करने के लिए कौन से कारक आवश्यक हैं?

3. What is the essential difference between Regional Planning for Habitability and other types of Planning ?

आवासीयता के लिए प्रादेशिक नियोजन तथा अन्य प्रकार के नियोजन मूल अन्तर क्या है?

4. What is the appropriate target of Regional Planning ?
प्रादेशिक नियोजन का उपयुक्त लक्ष्य क्या है?

5. What 'technics' are not enough to establish Habitability ?
आवासीयता स्थापित करने के लिए कौन सी 'तकनीक' पर्याप्त नहीं है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the term "river capture" as a geomorphological process.

भूआकृतिक विज्ञान की प्रक्रिया के रूप में नदी-हरण (रिवर केप्चर) को समझाईये।

7. Define carbon sequestration.
कार्बन प्रच्छादक की परिभाषा दीजिये।

8. Differentiate between tides and waves.
ज्वारों तथा लहरों में भेद स्पष्ट कीजिये।

9. Explain the concept of social well-being.
सामाजिक कल्याण की अवधारणा को समझाईये।

10. Explain the process of demographic transition.
जनसांख्यिकीय संक्रमण की प्रक्रिया को समझाईये।

11. What is rural-urban dichotomy.
ग्रामीण–नगरीय द्विभाजन क्या है?

12. Explain with examples renewable and non-renewable resources.
उदाहरण सहित नवीकरणी तथा अनवीकरणी संसाधनों को समझाईये।

13. What is the difference between regional disparity and regional diversity.
प्रादेशिक विषमता तथा प्रादेशिक विविधता में क्या अंतर है?

14. Explain the term location quotient as a measure of spatial distribution.
प्रादेशिक वितरण के माप के रूप में स्थानक भागफल (लोकेशन कोशैन्ट) को समझाईये।

15. What is sampling error ?
प्रतिचयन त्रुटि क्या है?

16. Distinguish between industrial complex and industrial agglomeration.
औद्योगिक सम्मिश्र तथा औद्योगिक समूहन के बीच भेद स्थापित कीजिये।

17. Explain Zipf's rank size rule in settlement studies.
अधिवास के अध्ययनों में ज़िप के रैंक साईज़ रूल को समझाईये।

18. Define human ecology.
मानव पारिस्थितिकी की परिभाषा कीजिये।

19. Identify the factors that cause environment degradation in urban areas.
नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरण का क्षरण करने वाले कारकों को पहचानिये।

20. Explain the weighted score technique of settlement ranking.
अधिवासों के कोटिकरण में वेटेड स्कोर तकनीक को समझाईये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12-12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. How is micro-geomorphological study useful in land capability classification.
सूक्ष्म भूआकृतिक अध्ययन किस प्रकार भूमि-क्षमता वर्गीकरण में उपयोगी है।

22. Enumerate five important indicators for measuring regional disparity in development. How do you calculate them using raw census data ?
विकास में प्रादेशिक विषमता को मापने में उपयोग हेतु पांच प्रमुख सूचक गिनाईये। सेंसस के अपरिष्कृत आंकड़ों के उपयोग से आप कैसे इन्हें ज्ञात कर सकते हैं?

23. Explain the concept of growth centre and point out its merits and limitations in regional planning in India.
विकास केन्द्र की अवधारणा को समझाईये तथा भारत में प्रादेशिक नियोजन के संदर्भ में गुण एवं सीमाओं को इंगित कीजिये।

24. Describe the methods used to prepare accessibility maps with suitable examples.
उपयुक्त उदाहरण सहित गम्यता मानचित्र बनाने में प्रयुक्त विधियों का वर्णन कीजिये।

25. Classify sampling methods and explain each type in detail.
प्रतिदर्शी (प्रतिचयन) की विधियों का वर्गीकरण कीजिये तथा प्रत्येक प्रकार को विस्तार में समझाईये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain the concept of sustainable development in resource utilization.
संसाधनों के विकास में संपोषित विकास की अवधारणा को समझाईये।

OR / अथवा

How is the process of urbanization in India different from that in developed countries ?
भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया विकसित देशों की प्रक्रिया से किस प्रकार भिन्न है?

OR / अथवा

Critically examine Christaller's central place theory and the theory of market centres of August Losch in the context of spatial organization of economy ?
वाल्टर क्रिस्टॉलर के केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त तथा आगस्ट लॉस्ख के बाज़ार केन्द्र सिद्धान्त का अर्थव्यवस्था के स्थानिक संघटन के संदर्भ में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....